



सहकार से
समृद्धि



गौपालक सम्मेलन

मुख्य अतिथि

अमित शाह

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

अध्यक्षता

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

भूमिपूजन

₹255 करोड़ का डेयरी प्लांट, उज्जैन

लोकार्पण

फर्मेंटेड मिल्क प्रोडक्ट प्लांट एवं
राज्यस्तरीय केन्द्रीय गुणवत्ता लैब, भोपाल
मिनी डेयरी संयंत्र, शिवपुरी

हितलाभ वितरण

दुध संघ के पशुपालकों को बोनस
गौशालाओं को सहायता
कामधेनु योजना स्वीकृति पत्र वितरण

सम्मान

गौपालक दीदियों का

3 अक्टूबर 2026

बीएचईएल, दशहरा मैदान, भोपाल

**मिल्क कैपिटल बनेगा
मध्यप्रदेश**

9% से 20%

देश के कुल दुध उत्पादन में
मध्यप्रदेश की हिस्सेदारी
बढ़ाने का लक्ष्य

**10 लाख से 50 लाख
लीटर प्रतिदिन**

अगले 5 वर्षों में दुध संकलन
करने का लक्ष्य

₹2,973 करोड़ की

दुध उत्पादन और डेयरी क्षेत्र के
विकास के लिए योजनाओं को मंजूरी

26,000 गांवों में

दुध सहकारी समितियों के
नेटवर्क के विस्तार का लक्ष्य



मतदाता सूची कोई सरकारी रजिस्टर भर नहीं है। उसमें दर्ज हर नाम लोकतंत्र में एक नागरिक की मौजूदगी का प्रमाण है। इसलिए फर्जी, मृत या डुप्लीकेट नाम हटाना जरूरी है, लेकिन इस सफाई के फेर में अगर जिंदा और पात्र मतदाता ही सूची से बाहर हो जाए, तो सवाल सिर्फ कागज का नहीं रहता-लोकतंत्र के अधिकार का बन जाता है। विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर यही सबसे बड़ा सवाल खड़ा हुआ है। दिल्ली के मसौदा मतदाता सूची में करीब 47.7 लाख नाम बाहर हुए, जो पहले दर्ज करीब 1.45 करोड़ मतदाताओं का

लगभग एक-तिहाई है। आयोग ने इसके पीछे अनुपस्थिति, स्थायी रूप से स्थानांतरण, मृत्यु, डुप्लीकेट और अन्य कारण बताए हैं। अब सवाल यह है कि किसी का घर उजड़ जाए तो क्या उसका वोट भी उजड़ जाएगा? किसी परिवार का पता बदल जाए तो क्या उसकी नागरिक पहचान भी सदिग्ध हो जाएगी? दिल्ली के बेला एस्टेट जैसे मामलों ने इस सवाल को जमीन पर ला खड़ा किया है। ऐसे मामलों में प्रशासनिक सत्यापन जरूरी है, लेकिन उसके साथ यह जिम्मेदारी भी जुड़ी है कि वास्तविक मतदाता को सूची से बाहर न

लोकतंत्र की छंटाई?

छोड़ा जाए। चुनाव आयोग के पास दावा-आपत्ति और पुनः नामांकन को फिर से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश भी दिया है। लेकिन यहीं एक असहज सवाल पैदा होता है-यदि बड़ी संख्या में वास्तविक मतदाताओं को बाद में फिर से नाम जुड़वाने की जरूरत पड़ रही है, तो पहली प्रक्रिया में ऐसी चूक क्यों हुई? आयोग के अपने पोर्टल पर फॉर्म-6 को नए मतदाता पंजीकरण के लिए बताया गया है, जबकि मौजूदा मतदाता के पते में बदलाव

या सुधार के लिए अलग प्रावधान नहीं है। इसलिए एसआईआर से बाहर हुए पुराने मतदाताओं को दोबारा शामिल करने की प्रक्रिया कितनी स्पष्ट और उपयुक्त है, इस पर सार्वजनिक स्पष्टीकरण जरूरी है। विपक्ष आयोग की नीयत और प्रक्रिया पर सवाल उठा रहा है। आयोग दूसरी तरफ पुनरीक्षण को मतदाता सूची को शुद्ध करने की संवैधानिक प्रक्रिया के रूप में आगे बढ़ा रहा है। राजनीतिक आरोपों का फैसला राजनीति नहीं, तथ्य और कानूनी प्रक्रिया करेगी। लेकिन चुनाव आयोग जैसी संस्था के लिए सबसे बड़ी पूंजी उसका अधिकार नहीं, उस पर जनता का भरोसा है।

भारत में भूख से जूझते करोड़ों लोग ... और हो रही करोड़ों टन भोजन की बर्बादी

मनोज कुमार अग्रवाल

रतभकार



भारत भोजन की बर्बादी के मामले में दुनिया में दूसरे स्थान पर है, एक तरफ जहां करोड़ों टन खाना फेंका जाता है, वहीं देश में लाखों लोग कुपोषण और भूखमरी का शिकार हैं। भारत में हर साल लगभग 7.8 करोड़ टन खाना बर्बाद होता है। चीन पहले स्थान पर 10.86 करोड़ टन खाना बर्बाद करता है और भारत दूसरे स्थान पर है। देश में सालाना लगभग 792,651 करोड़ से 71.55 लाख करोड़ मूल्य का खाना बर्बाद होता है।भारत के लिए इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि एक ओर पिछले कजहां करोड़ों लोगों को भरपेट भोजन उपलब्ध नहीं है पौष्टिक भोजन की तो बात ही छोड़ दीजाए ऐसी स्थिति में दूसरी ओर बड़ी मात्रा में खाना कचरे में चला जाता है। खेत में मेहनत से उगा अन्न जब गोदाम में खराब होता है या विवाह समारोह की भरी प्लेट से फेंक दिया जाता है, तो नुकसान केवल भोजन का नहीं होता। उसके साथ बीज किसान की मेहनत, खाद पानी, जमीन,संसाधन बिजली, श्रम और उन पर हुआ खर्च भी बेकार हो जाता है। और किसी जरूरतमंद तक भोजन पहुंचने की संभावना भी व्यर्थ हो जाती है। एक रिपोर्ट के अनुसार संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के फूड वेस्ट इंडेक्स 2024 के आधार पर भारत के घरों में सालाना लगभग 7.82 करोड़ टन भोजन बर्बाद होने का अनुमान है। प्रति व्यक्ति यह मात्रा करीब 55 किलोग्राम है।यह बर्बादी मुख्य तौर पर घरों, होटलों और खुदरा दुकानों में होती है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के पड़ोसी मुल्कों में खाने की सबसे ज्यादा बर्बादी चीन में होती है। चीन में हर व्यक्ति सालभर में औसतन 76 किलो खाना बर्बाद कर्ता है इसी कड़ी में पाकिस्तान बांग्लादेश अफगानिस्तान नेपाल श्रीलंका भूटान में भी बड़ी मात्रा में खाना बर्बाद किया जाता है। पाकिस्तान में वैसे तो हर व्यक्ति सालाना औसतन 130 किलो खाना बर्बाद करता है, लेकिन वहां सालभर में 31.07 करोड़ टन खाना बर्बाद होता है। इसी तरह बांग्लादेश में 1.41 करोड़ टन, अफगानिस्तान में 52.29 लाख टन, नेपाल में 28.31 लाख टन, श्रीलंका में 16.56 लाख टन और भूटान में 15 हजार टन से ज्यादा खाना हर साल बर्बाद हो जाता है। भारत में जितनी मात्रा में खाना बर्बाद होता है, उससे देश के करोड़ों भूखे लोगों का पेट भरा जा सकता है। संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट में सामने आया है कि दुनियाभर में हर साल एक अरब टन से ज्यादा खाना बर्बाद हो जाता है। खाने की ये बर्बादी तब है, जब दुनियाभर में 78.3 करोड़ से ज्यादा लोग भूखे पेट सो जाते हैं। इतना ही नहीं दुनिया की एक तिहाई आबादी पर खाने का संकट मंडरा रहा है। आपको बता दें कि भोजन की बर्बादी केवल थाली तक सीमित नहीं है, बल्कि खेत से बाजार और गोदामों तक पहुंचने के दौरान भी बड़े पैमाने पर नुकसान होता है। देखा जाए तो भूख और बर्बादी का यह संतुलन केवल एक प्रशासनिक विफलता नहीं है, बल्कि एक गंभीर नैतिक, सामाजिक और पर्यावरणीय संकट भी है। इस मामले में राजस्थान की स्थिति भी चिंताजनक है, जहां रोजाना करीब 9,490 मीट्रिक टन भोजन बर्बाद होता है। इसका बड़ा हिस्सा शादी-पार्टियों और बड़े आयोजनों से आता है। भरी हुई प्लेटें आधी छोड़ देना हमारे यहां शान का प्रतीक बन गया है, जबकि यही अन्न किसी की पूरी रात की भूख मिटा सकता था। भोजन का नुकसान थाली में आने से



बहुत पहले शुरू हो जाता है। कोल्ड स्टोरेज और रेफ्रिजरेटेड परिवहन की कमी से खेतों और मंडियों में बड़ी मात्रा में फल-सब्जियां सड़ जाती हैं। छोटे किसान पूरा नुकसान उठाने से बचने के लिए मजबूरी में औने-पौने दाम पर फसल बेच देते हैं। बाढ़ और बेमौसम बारिश जैसी चरम मौसमी घटनाएं हालात और बिगाड़ती हैं। आगे सुपरमार्केट कॉस्मेटिक फिल्टरिंग के नाम पर सिर्फ दिखावटी खामियों के कारण बिल्कुल ठीक उपज लौटा देते हैं। शहरों में घरों और भव्य समारोहों का बचा भोजन योतना: लैंडफिल पहुंचता है। सरकारी गोदाम भी इस लापरवाही से अछूते नहीं हैं। मध्य प्रदेश में सीएजी और संबंधित विभागों की रिपोर्ट के अनुसार, 2021 से 2026 के बीच सरकारी और निजी गोदामों में करीब एक लाख मीट्रिक टन खाद्यान नमी, बारिश, चूहों और समय पर उठाव न होने से खराब हो गया। इसकी कीमत करोड़ रुपये आंकी गई है। रायसेन, सीहोर, विदिशा और आसपास के गोदामों में करीब 70 हजार मीट्रिक टन गेहूं सड़ा। बारिश-नमी से करीब 21 हजार मीट्रिक टन धान और कीड़ों से लगभग 8,500 मीट्रिक टन दलहन भी बर्बाद हुआ। इस अनाज की खरीद, बुलाई और भंडारण पर सरकार 100 करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर चुकी थी। यह अनाज सुरक्षित रहता तो गरीब कल्याण योजना के

तहत करीब दो करोड़ लोगों को एक महीने का राशन मिल सकता था। यह जनता के पैसे और गरीब के हक, दोनों की बर्बादी है। यह समस्या सिर्फ नैतिक या आर्थिक नहीं, पर्यावरणीय भी है। लैंडफिल में सड़ता भोजन शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैस मीथेन छोड़ता है। बर्बाद भोजन धरती को गर्म करता है और गर्म होती धरती

अन्न उगाना कठिन बनाती है। इस तरह हम अपनी जनता के बजाय अपने कचरे के ढेरों को खिला रहे हैं। नीतिगत खामियां भी कम नहीं। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना चावल-गेहूं के वितरण में सफल रही हैं। लेकिन कुपोषण से लड़ने के लिए जरूरी फल, सब्जियां और दुग्ध उत्पाद, जो जल्दी खराब होते हैं, इस तंत्र में लगभग उपेक्षित हैं। पेट भरना और पोषण देना अलग बातें हैं, और नीति को दोनों को साधना होगा। अंधेरे के बीच उम्मीद भी है। रिफूड इंडिया और अन्नक्षेत्र ट्रस्ट जैसी संस्थाएं जयपुर-जोधपुर में समारोहों का बचा भोजन जरूरतमंदों तक पहुंचाती है। कोटा, अजमेर और उदयपुर में युवाओं की टोलियां रोटी बैक के जरिए घरों और आयोजनों से खाना जुटाकर बांटती हैं। विवाह स्थलों पर लगे बोर्ड उतना ही ले थाली में जो व्यर्थ न जाए नाली में अन्न की बर्बादी रोकने का संदेश देते हैं। ये प्रयास सराहनीय हैं।

एक अनुमान के मुताबिक भारत में रोज तकरीबन 19-20 करोड़ लोग भूखे पेट सोने के लिए मजबूर हैं। यही नहीं, देश में जितना खाना सालाना बर्बाद हो रहा, उससे करीब 37.7 करोड़ लोगों का पेट भर सकता है। एक आम इंसान को पेट भरने के लिए जितने खाने की जरूरत होती है, उसका करीब 5वां हिस्सा अन्न बर्बाद कर दिया जा रहा है। यानी डस्टबिन में फेंक दिया जाता है। इसलिए आली बार जब भी किसी पार्टी-समारोह या होटल-रेस्टोरेंट में जाएं तो अपनी प्लेट में जरूरत के मुताबिक खाना परोसिए ऐसा करके आप किसी भूखे की थाली में निवाला पहुंचाने में सहयोग कर सकते हैं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

कंधे में दर्द, जकड़न या हाथ ऊपर उठाने में परेशानी को अक्सर उम्र बढ़ने, कैल्शियम की कमी या हड्डियों की कमजोरी से जोड़ दिया जाता है। लेकिन यदि धीरे-धीरे कंधे की हरकत कम हो रही है और बाल बनाने, कपड़े पहनने या हाथ ऊपर उठाने जैसे सामान्य काम मुश्किल होने लगे हैं, तो यह फ्रोजन शोल्डर का संकेत हो सकता है। डायबिटीज वाले लोगों में इस समस्या का जोखिम अधिक पाया जाता है।

फ्रोजन शोल्डर को मेडिकल भाषा में एडहेसिव कैप्सुलाइटिस



कहा जाता है। इसमें कंधे के जोड़ के आसपास मौजूद कैप्सूल में सूजन और ऊतकों के सख्त होने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। इससे कंधे की सामान्य गति सीमित होने लगती है। शुरुआत में दर्द अधिक हो सकता है, जबकि बाद में जकड़न बढ़ती जाती है। शोध के अनुसार

डायबिटीज फ्रोजन शोल्डर का महत्वपूर्ण जोखिम कारक है। 2016 के एक अध्ययन में डायबिटीज वाले लोगों में फ्रोजन शोल्डर का प्रसार करीब 13.4 प्रतिशत पाया गया। इनमें यह

टेक्नो अपडेट

बच्चे के गुप में जुड़ते ही पैरेंट्स को मिलेगा अलर्ट, व्हाट्सऐप का नया सुरक्षा फीचर

बच्चों और किशोरों को ऑनलाइन खतरों से बचाने के लिए व्हाट्सऐप ने पैरेंटल कंट्रोल के नए फीचर पेश किए हैं। इनकी मदद से माता-पिता अपने किशोर बच्चे की व्हाट्सऐप गतिविधियों पर पहले से ज्यादा नजर रख सकेंगे, लेकिन उनकी निजी चैट पढ़ने की सुविधा नहीं होगी। व्हाट्सऐप के अनुसार नए पैरेंटल कंट्रोल धीरे-धीरे उपलब्ध कराए जा रहे हैं और फिलहाल हर क्षेत्र में उपलब्ध होना जरूरी नहीं है। सबसे उपयोगी फीचर गुप से जुड़ा है। बच्चा

किसी नए गुप में शामिल होता है या किसी गुप को छोड़ता है, तो पैरेंट्स को इसकी जानकारी मिल सकती है। इसके अलावा, जिस गुप में बच्चा पहले से शामिल है, उसमें सदस्यों की संख्या अचानक काफी बढ़ने पर भी पैरेंट्स को अलर्ट मिल सकता है। इससे माता-पिता को यह समझने में मदद मिलेगी कि बच्चा किन ऑनलाइन समुदायों से जुड़ा रहा है। **प्राइवैसी सेंटिंग्स पर नियंत्रण:** नए कंट्रोल सिर्फ गतिविधियों की जानकारी देने तक सीमित नहीं हैं। माता-पिता बच्चे की प्राइवैसी सेंटिंग्स को भी मैनेज कर सकेंगे। इनमें यह तय करना शामिल है कि प्रोफाइल फोटो

कौन देख सकता है, स्टेटस किसे दिखाई देगा और कौन बच्चे को गुप में जोड़ सकता है। अगर किशोर कम सुरक्षित प्राइवैसी सेंटिंग चुनना चाहता है, तो कुछ बदलावों के लिए पैरेंट के छह अंकों वाले पिन की मंजूरी जरूरी होगी।

व्हाट्सऐप के अनुसार ये पैरेंटल कंट्रोल 13 से 17 वर्ष की उम्र के किशोरों के लिए वैकल्पिक रूप से इस्तेमाल किए जा सकते हैं। इन्हें सक्रिय करने के लिए माता-पिता और किशोर, दोनों की सहमति से अकाउंट लिंक करना होता है। पैरेंट्स अब यह भी तय कर सकते हैं कि उनका किशोर बच्चा व्हाट्सऐप के किन चैनलों को देख या फॉलो कर सकता है। विकल्पों में सभी चैनल, केवल पैरेंट द्वारा मंजूर चैनल या कोई चैनल नहीं शामिल हैं। चैनल बनाने की सुविधा को भी पैरेंटल कंट्रोल से सीमित किया जा सकता है। मेटा एआई के इस्तेमाल के लिए भी पैरेंट्स के पास विकल्प है। वे सामान्य अनुभव के बजाय सीमित अनुभव चुन सकते हैं, जिसमें बच्चे किन विषयों पर एआई से बातचीत कर सकते हैं, उस पर अतिरिक्त पाबंदियां लगाई जाती हैं।



निशाना

बिकने को तैयार नहीं



धर्मराज देशराज

मैं मतलब का यार नहीं झुठा इक किरदार नहीं। नफ़रत कब जीने देती क्या दुनियां में प्यार नहीं। मात-पिता परिवार मिला क्या ख का उपकार नहीं। उनको मत इन्सान कहे जिसमे भी संस्कार नहीं। रोटी लेकर उसकी मैं बिकने को तैयार नहीं। ऑप्स आहें, दर्दों - गम क्या ये ख को मार नहीं। जाने वाला रूठ गया खूबाबों में दीदार नहीं।

शहरों की भागदौड़ और लगातार काम के बीच लोग अक्सर ऐसी जगह तलाशते हैं, जहां कुछ दिन प्रकृति के बीच बिताकर मन और शरीर को आराम मिल सके। राजस्थान के झुंझुनूं जिले में ऐसी ही एक अनोखी जगह है, जहां मिट्टी की झोपड़ियों में ग्रामीण जीवन, प्राकृतिक चिकित्सा और राजस्थानी संस्कृति का अनुभव एक साथ मिलता है। करीब चार बीघा में बनी इन वैदिक झोपड़ियों को खेतों और हरियाली के बीच तैयार किया गया है।

यह जगह ऐतिहासिक मंडावा के पास गोविंदपुरा गांव में है। मंडावा अपनी भव्य हवेलियों और फिल्मों की शूटिंग के लिए भी जाना जाता है। गोविंदपुरा की इन वैदिक झोपड़ियों में रहने वाले लोगों को शहर की चकाचौध से दूर ग्रामीण परिवेश में समय बिताने का मौका मिलता है। यहां प्राकृतिक चिकित्सा की विभिन्न पद्धतियों का इस्तेमाल किया जाता है। इनमें मिट्टी की पट्टी, जल चिकित्सा और पंचचक्र जैसी प्रक्रियाएं शामिल हैं। हालांकि इन्हें किसी बीमारी के निश्चित इलाज के बजाय प्राकृतिक चिकित्सा की पद्धतियों के रूप में देखा जाता है। तनाव और थकान से राहत

कुमार कृष्णन रतभकार



लॉ में पदक दिखाई देता है, उसके पीछे का संघर्ष नहीं। पॉडियम पर खड़े खिलाड़ी के गले में चमकता स्वर्ण हमें उसकी सफलता बताता है, लेकिन उस स्वर्ण तक पहुंचने के रास्ते में कितनी कमी, कितनी मेहनत और कितनी बार अपने ही साधनों से लड़ना पड़ा, यह कहानी अक्सर खबर का हिस्सा नहीं बनती। नीरू ढांडा की कहानी इसलिए सिर्फ एक निशानेबाज की सफलता की कहानी नहीं है। हरियाणा के जींद जिले के एक किसान परिवार से निकलकर एशियाई खेलों में महिला ट्रैप की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनने और फिर मिश्रित ट्रैप टीम में भी स्वर्ण हासिल करने तक का उनका सफर भारतीय खेल व्यवस्था के सामने कई सवाल खड़े करता है। सवाल यह कि प्रतिभा पैदा कहाँ होती है और अवसर किसे मिलता है?

29 सितंबर 2026 को नीरू ने महिला ट्रैप के व्यक्तिगत फाइनल में 30 में से 28 निशाने सही लगाए और नया एशियाई खेल रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले उन्होंने क्वालिफिकेशन में 118 अंक के साथ खेलों का रिकॉर्ड बनाया था। उसी दिन आशीमा अहलावत और मनीषा कीर के साथ उन्होंने महिला ट्रैप टीम का रजत पदक भी जीता। अगले दिन, 30 सितंबर को काइनान चेनाई के साथ मिश्रित ट्रैप टीम में 34 के स्कोर के साथ उन्होंने दूसरा स्वर्ण जीता और इस स्पर्धा का नया एशियाई रिकॉर्ड कायम किया। इस तरह नीरू के खाते में इस एशियाई खेल में दो स्वर्ण और एक रजत हो चुके हैं।

लेकिन इन आंकड़ों से पहले उस दृश्य को देखना जरूरी है जहां से यह कहानी शुरू हुई थी। नीरू ने अपना निशानेबाजी का सफर किसी अत्याधुनिक शूटिंग रेंज से नहीं शुरू किया था। शुरुआती दिनों में वह परिवार की दुगली बंदूक से टिन के डिब्बों को निशाना बनाती थीं। बाद में उनके चचेरे भाई और 2018 एशियाई खेलों में ट्रैप के रजत पदक विजेता लक्ष्य श्योराण ने उन्हें अपनी बंदूक से अभ्यास करने में मदद की। 2019 में वह भोपाल की मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी पहुंचीं, जहां उन्हें उपकरण और व्यवस्थित प्रशिक्षण की सुविधा मिली। टिन के डिब्बे से लेकर एशियाई खेलों के पॉडियम तक की यह दूरी केवल भौगोलिक दूरी नहीं है। यह खेल में अवसर की असमानता की दूरी भी है।

ट्रैप शूटिंग ऐसा खेल नहीं है जिसे केवल उत्साह के सहारे खेला जा सकता है। बंदूक, कारतूस, शूटिंग रेंज, प्रशिक्षित कोच और लगातार अभ्यास की जरूरत होती है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के लिए इन सबका इंतजाम करना आसान नहीं होता। इसलिए नीरू की कहानी को केवल अभाव पर विजय की प्रेरक कथा बनाकर छोड़ देना पर्याप्त नहीं है। इसके भीतर यह बड़ा सवाल छिपा है कि कितनी प्रतिभाएं संसाधनों के अभाव में खेल की पहली सीढ़ी पर ही रुक जाती हैं? नीरू के मामले में परिवार और रिश्तेदारों का सहयोग मिला। लक्ष्य श्योराण की सफलता ने उन्हें प्रेरित किया। फिर मध्य प्रदेश शूटिंग अकादमी और बाद में सेना की संस्थागत व्यवस्था ने उनके खेल को आगे बढ़ने का आधार दिया। आज वह भारतीय सेना में नायब सूबेदार हैं और आर्मी मार्क्समैनशिप यूनिट से प्रशिक्षण लेती हैं। यहां भारतीय खेल व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। सेना लंबे समय से उन खिलाड़ियों के लिए रोजगार, प्रशिक्षण और प्रतियोगी खेल का मंच रही है जिनके लिए

खेल के साथ आजीविका का सवाल भी जुड़ा होता है। किसी किसान, मजदूर या निम्न-मध्यमवर्गीय परिवार के बच्चे के लिए खेल में करियर केवल पदक का सपना नहीं होता। उसके साथ परिवार की आर्थिक चिंता भी जुड़ी रहती है। यदि खेल और रोजगार की सुरक्षा साथ मिल जाए तो प्रतिभा को टिके रहने का आधार मिलता है। लेकिन क्या देश की खेल प्रतिभा का बड़ा हिस्सा सेना या कुछ चुनिंदा संस्थानों के सहारे ही आगे बढ़े? यह सवाल इसलिए जरूरी है क्योंकि खेल प्रतिभा की पहली पहचान तो स्कूल, गांव, प्रखंड और जिला स्तर पर होनी चाहिए। वहां प्रशिक्षित कोच, उपकरण और प्रतियोगिताओं की व्यवस्था मजबूत होगी तभी किसी नीरू को समय रहते पहचाना जा सकेगा। गांवों को अक्सर खेल सुविधाओं की कमी के कारण पिछड़ा माना जाता है। लेकिन गांव प्रतिभा से खाली नहीं हैं। कमी अक्सर अवसर और पहचान की होती है। शहर में किसी बच्चे को अकादमी, प्रशिक्षक या प्रतियोगिता की जानकारी मिल सकती है। गांव में प्रतिभा को यह पता लगाने में ही वर्षों लग सकते हैं कि वह किस खेल के लिए बनी है और वहां से आगे जाने का रास्ता क्या है। नीरू का शुरुआती जीवन इसी सच की ओर इशारा करता है। प्रतिभा हमेशा किसी व्यवस्थित खेल ढांचे में जन्म नहीं लेती। वह घर के आंगन में, स्कूल के मैदान में, खेत की मेड़ पर, स्थानीय प्रतियोगिता में या किसी रिश्तेदार के खेल प्रदर्शन को देखकर भी जाग सकती है। असली परीक्षा व्यवस्था की है-वह उस प्रस्ता का खेलनती कब है और उसके लिए रास्ता कब खोलती है?

नीरू की वर्तमान उपलब्धियां यह भी बताती हैं कि उनकी कहानी केवल संघर्ष की

नहीं, उच्च स्तर की खेल तैयारी की भी है। 2025 में उन्होंने एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता। जुलाई 2026 में वह इटली के लानाटो में आईएसएसएफ शूटिंग विश्व कप में महिला ट्रैप का व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। एशियाई खेलों में आने से पहले ही उनका अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन यह संकेत दे चुका था कि वह केवल 'अभाव से निकली खिलाड़ी' नहीं, बल्कि विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने वाली निशानेबाज हैं। फिर एशियाई खेलों से ठीक पहले बीमारी ने उनकी तैयारी को झटका दिया। भारतीय एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, संक्रमण के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। लगभग साढ़े तीन सप्ताह तक उनका नियमित प्रशिक्षण नहीं हो पाया और राष्ट्रीय शिविर के दौरान वह कई दिनों तक बेहद कमजोर रहीं। उनके कोच पीटर विल्सन ने बताया कि अस्पताल से लौटने के बाद जापान में भी उन्हें बहुत सीमित समय अभ्यास का मिला।

नीरू का स्वर्ण इसलिए याद रखा जाना चाहिए कि वह हमें पदक से आगे देखने की दृष्टि देता है। गांव की किसी बेटी के हाथ में प्रतिभा हो तो उसे केवल संयोग, परिवार के त्याग और व्यक्तिगत संघर्ष के भरोसे नहीं छोड़ा जाना चाहिए। उसे अवसर मिलना चाहिए। क्योंकि खेल को मैदान तभी सचमुच बरबाद होगा, जब निशाना लगाने से पहले खिलाड़ी को यह चिंता न करनी पड़े कि बंदूक, कारतूस, कोच और प्रशिक्षण का खर्च कौन उठाएगा। टिन के डिब्बे पर लगा पहला निशाना शायद एक छोटी घटना थी। लेकिन उसी निशाने की निरंतरता आज एशियाई खेलों के दो स्वर्ण और एक रजत में दिखाई दे रही है। अब जरूरी है कि नीरू की कहानी को केवल प्रेरणा की कहानी न बनाया जाए। इसे खेल नीति और अवसर की कहानी भी बनाया जाए-ताकि अगली नीरू को अपनी प्रतिभा साबित करने से पहले संसाधनों की कमी साबित न करनी पड़े।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।



अजब - गजब

कमजोर होकर फ्रोजन शोल्डर होता है। मुख्य समस्या जोड़ के आसपास के नरम और कनेक्टिव टिशू में होने वाले बदलावों से जुड़ी होती है। कुछ अध्ययनों में अधिक एचबीए1सी स्तर और फ्रोजन शोल्डर के बीच भी संबंध पाया गया है।

इन लक्षणों पर दें ध्यान: कंधे में लगातार या बार-बार दर्द, हाथ ऊपर उठाने में परेशानी, हाथ को पीछे ले जाने में दिक्कत, रात में दर्द बढ़ना और धीरे-धीरे कंधे की गतिशीलता कम होना इसके प्रमुख संकेत हो सकते हैं। बाल बनाने या कपड़े पहनने जैसे रोजमर्रा के काम भी मुश्किल होने लगते हैं।

मध्य प्रदेश शूटिंग अकादमी और बाद में सेना की संस्थागत व्यवस्था ने उनके खेल को आगे बढ़ने का आधार दिया। आज वह भारतीय सेना में नायब सूबेदार हैं और आर्मी मार्क्समैनशिप यूनिट से प्रशिक्षण लेती हैं। यहां भारतीय खेल व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। सेना लंबे समय से उन खिलाड़ियों के लिए रोजगार, प्रशिक्षण और प्रतियोगी खेल का मंच रही है जिनके लिए

कमजोर होकर फ्रोजन शोल्डर होता है। मुख्य समस्या जोड़ के आसपास के नरम और कनेक्टिव टिशू में होने वाले बदलावों से जुड़ी होती है। कुछ अध्ययनों में अधिक एचबीए1सी स्तर और फ्रोजन शोल्डर के बीच भी संबंध पाया गया है।

इन लक्षणों पर दें ध्यान: कंधे में लगातार या बार-बार दर्द, हाथ ऊपर उठाने में परेशानी, हाथ को पीछे ले जाने में दिक्कत, रात में दर्द बढ़ना और धीरे-धीरे कंधे की गतिशीलता कम होना इसके प्रमुख संकेत हो सकते हैं। बाल बनाने या कपड़े पहनने जैसे रोजमर्रा के काम भी मुश्किल होने लगते हैं।

कमजोर होकर फ्रोजन शोल्डर होता है। मुख्य समस्या जोड़ के आसपास के नरम और कनेक्टिव टिशू में होने वाले बदलावों से जुड़ी होती है। कुछ अध्ययनों में अधिक एचबीए1सी स्तर और फ्रोजन शोल्डर के बीच भी संबंध पाया गया है।

कमजोर होकर फ्रोजन शोल्डर होता है। मुख्य समस्या जोड़ के आसपास के नरम और कनेक्टिव टिशू में होने वाले बदलावों से जुड़ी होती है। कुछ अध्ययनों में अधिक एचबीए1सी स्तर और फ्रोजन शोल्डर के बीच भी संबंध पाया गया है।



सिर्फ झोपड़ियां नहीं हैं। यहां आने वाले लोग खेतों में घूमने, सब्जियां तोड़ने और ग्रामीण गतिविधियों में हिस्सा ले सकते हैं। यहां सात्विक राजस्थानी भोजन परोसा जाता है। कुछ गतिविधियों में मेहमान खुद खाना बनाने में भी सहयोग कर सकते हैं। गोसेवा भी यहां के अनुभव का हिस्सा है। इसके अलावा ऊंट की सवारी, लोक संगीत, हस्तकला और राजस्थानी संस्कृति से परिचय कराया जाता है। इस तरह कुछ दिन बिताने वाले पर्यटकों को राजस्थान के ग्रामीण जीवन को करीब से देखने का अवसर मिलता है। **देश-विदेश से पहुंचते हैं लोग:** संचालक डॉ. तरुण के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में यहां देश-विदेश से बड़ी संख्या में लोग आ चुके हैं। उनका उद्देश्य लोगों को प्रकृति से जोड़ना और ग्रामीण जीवन का अनुभव देना है। यहां आने वाले कई लोग दो-तीन दिन का कार्यक्रम बनाकर पहुंचते हैं। एक दिन आसपास के मंडावा की ऐतिहासिक हवेलियों और शेखावाटी की संस्कृति को देखने के लिए रखा जाता है।

न्यूज विंडो

गयाजी से लौट रहे दमोह के डॉक्टर-प्राचार्य भाइयों की दुर्घटना में मौत



मैहर। मैहर जिले में आज तड़के हुए सड़क हादसे में दमोह के डॉक्टर संजय गंगेले और उनके भाई प्राचार्य सुधीर गंगेले की मौत हो गई। हादसा ग्राम पोड़ी के पास सुबह करीब चार बजे हुआ, जब गंगेले परिवार के सदस्य गया जी से कार से दमोह लौट रहे थे। दुर्घटना में कार चालक गंभीर रूप से घायल हुआ, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया गया कि पोड़ी के पास अचानक कार हादसे का शिकार हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि डॉक्टर संजय गंगेले और सुधीर गंगेले की जान चली गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। डॉक्टर संजय गंगेले दमोह में चिकित्सक थे, जबकि उनकी पत्नी डॉक्टर श्रद्धा गंगेले भी चिकित्सा क्षेत्र से जुड़ी हैं। हादसे की खबर से गंगेले परिवार और दमोह के चिकित्सा जगत में शोक की लहर है। पुलिस ने दुर्घटनास्थल का निरीक्षण कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

गांधी-शारत्री जयंती पर कांग्रेसजनों ने किया नमन, लिया संकल्प



नरसिंहपुर। महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर जिला एवं नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर दोनों महापुरुषों को श्रद्धाजलि दी गई। गांधी चौक पर कांग्रेसजनों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और शास्त्री जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इसके बाद ग्राम उमरिया में ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में कार्यक्रम हुआ, जिसकी अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल ने की। वक्ताओं ने गांधी जी के सत्य, अहिंसा, शांति, प्रेम और सद्भाव के विचारों को याद करते हुए कहा कि उनके सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं। वहीं लाल बहादुर शास्त्री के सादगीपूर्ण जीवन और राष्ट्रभक्ति का स्मरण करते हुए 'जय जवान, जय किसान' के संदेश को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक सुनील जायसवाल सहित कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। अंत में उपस्थित कांग्रेसजनों ने दोनों महापुरुषों के आदर्शों को जीवन और सार्वजनिक कार्यों में अपनाने तथा उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

ग्वालियर में ड्राई-डे पर अवैध शराब बेचता पकड़ा गया रिटायर्ड फौजी



ग्वालियर। गांधी जयंती पर ड्राई-डे वाले दिन भी अवैध शराब बेची जा रही थी। गोला का मंदिर स्थित प्रगति विहार कॉलोनी में रिटायर्ड फौजी निरंजन सिंह तोमर घर से ही शराब बेच रहा था। आबकारी विभाग की टीम ने उसके घर दबिश दी। उसके पास से अलग-अलग ब्रांड की 36 बोतल शराब बरामद हुई है। वह कैटीन से लेकर आता था और अधिक दाम में लोगों को अवैध रूप से बेचता था। सहायक आबकारी आयुक्त राज नारायण सोनी के नेतृत्व में जिला आबकारी अधिकारी राजेश तिवारी, दिनेश भार्गव की टीम ने कार्रवाई की। इस दौरान हजीरा, तानसेन नगर, गोले का मंदिर, नारायण बिहार कॉलोनी, बेला की बाबड़ी और डबरा क्षेत्र में दबिश देकर कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान प्रगति विहार कॉलोनी स्थित निरंजन तोमर के मकान से सीएसडी पास की 36 बोतल बरामद हुई। इसके अलावा मामा का बाजार बाजार क्षेत्र से एक एक्टिवा वाहन से 26 पाव प्लेन शराब, स्टेशन रोड से 11 पाव देसी मदिरा जब्त की गई है।

मेट्रो एंकर मोगली उत्सव-2026 : प्रथम स्थान पाने वाले छात्र-छात्राएं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का करेंगे प्रतिनिधित्व

बाल मोगली क्विज में कृतिका-हार्दिक और कृष्णा-अंजली अत्वल

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता तथा जल, जंगल और जमीन के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से बाल मोगली उत्सव-2026 के तहत जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता पीएम श्री शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतम माध्यमिक विद्यालय में हुई, जिसमें जिले के सभी छह विकासखंडों से चयनित छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में जिला मॉनिटरिंग समिति सदस्य अमितेंद्र नारोलिया मुख्य अतिथि रहे। समाजसेवी विक्रांत पटेल, शैलेन्द्र शर्मा, मुकेश शर्मा और केंद्रीय पटेल विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।



अतिथियों का पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। कनिष्ठ वर्ग में शासकीय नवीन माध्यमिक शाला छेनाकछर की कृतिका कौरव और शासकीय नवीन माध्यमिक शाला पचामा के हार्दिक दुबे ने प्रथम स्थान हासिल किया। वरिष्ठ वर्ग में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर के कृष्णा सोनी और अंजली साहू प्रथम रहे। विजेता प्रतिभागियों को स्मृति

चिह्न और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। नोडल अधिकारी एवं उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य राजीव किशोर श्रीवास्तव ने बताया कि दोनों वर्गों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी राज्य स्तरीय क्विज में नरसिंहपुर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। आयोजन में शिक्षा विभाग के अधिकारियों, निर्णायक मंडल और तकनीकी टीम ने सहयोग किया।

कनिष्ठ वर्ग में कृतिका-हार्दिक अत्वल

जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता के कनिष्ठ वर्ग में कृतिका कौरव और हार्दिक दुबे ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कृतिका शासकीय नवीन माध्यमिक शाला छेनाकछर, जबकि हार्दिक शासकीय नवीन माध्यमिक शाला पचामा, विकासखंड चीचली के विद्यार्थी हैं। दोनों ने पर्यावरण, जैव विविधता और जल-जंगल-जमीन से जुड़े सवालों में बेहतर प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में जिले के सभी छह विकासखंडों से चयनित विद्यार्थियों ने सहभागिता की। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले कृतिका और हार्दिक को अतिथियों ने स्मृति चिह्न एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। अब दोनों राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में नरसिंहपुर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

वरिष्ठ वर्ग में कृष्णा-अंजली ने मारी बाजी

जिला स्तरीय बाल मोगली क्विज प्रतियोगिता के वरिष्ठ वर्ग में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर के कृष्णा सोनी और अंजली साहू ने प्रथम स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता के प्रति समझ विकसित करना रहा। क्विज में जल, जंगल, जमीन, वन्यजीव और पर्यावरण से जुड़े विषयों पर विद्यार्थियों के ज्ञान को परखा गया। प्रथम स्थान पाने वाले कृष्णा और अंजली को अतिथियों ने प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। दोनों विद्यार्थी आगामी राज्य स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

दिनदहाड़े मकान से 4.38 लाख की चोरी, पुलिस ने 24 घंटे में किया खुलासा

महंगे शौक पूरे करने के लिए घर में घुसे आरोपी, कोतवाली पुलिस ने एक युवक को पकड़ा और बाल अपचारी को हिरासत में लिया

सीसीटीवी और तकनीकी साक्ष्यों ने खोला राज

धार। दोपहर मेट्रो
शहर की डायमंड कॉलोनी में दिनदहाड़े मकान में घुसकर अलमारी से 4 लाख 38 हजार 200 रुपए चोरी करने के मामले का कोतवाली पुलिस ने 24 घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस ने मामले में शिवा पिता देवी सिंह को गिरफ्तार किया है, जबकि एक बाल अपचारी को अभिरक्षा में लिया गया। दोनों के कब्जे से चोरी की पूरी नकदी बरामद कर ली गई।

पुलिस के अनुसार डायमंड कॉलोनी निवासी मोहन पिता फैजान के घर से नकदी चोरी होने की सूचना पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा और अतिरिक्त पुलिस



अधीक्षक विजय डावर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी ईश्वर सिंह चौहान ने टीम गठित की। पुलिस टीम ने घटनास्थल से मिले तकनीकी साक्ष्यों के साथ आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंची। पूछताछ के दौरान चोरी की पूरी रकम 4,38,200 रुपए बरामद

चोरी की वारदात सामने आने के बाद पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने के साथ तकनीकी साक्ष्यों को भी जांच का आधार बनाया। पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास की गतिविधियों की जानकारी जुटाई। फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर संदिग्धों की पहचान की गई। इसके बाद पुलिस ने शिवा

कर जब्त की गई। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने महंगे शौक पूरे करने के लिए वारदात को अंजाम दिया था। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा, जबकि बाल अपचारी के संबंध में विधि अनुसार कार्रवाई की जा रही है।

को गिरफ्तार कर एक बाल अपचारी को अभिरक्षा में लिया। पूछताछ के दौरान दोनों से चोरी की रकम के संबंध में जानकारी मिली। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 4 लाख 38 हजार 200 रुपए की पूरी नकदी बरामद कर जब्त कर ली। पुलिस का कहना है कि त्वरित जांच के चलते वारदात का 24 घंटे में खुलासा संभव हुआ।

पुलिस के अनुसार डायमंड कॉलोनी में चोरी की वारदात को आरोपियों ने अपने महंगे शौक पूरे करने के लिए अंजाम दिया था। दिनदहाड़े घर में प्रवेश कर अलमारी में रखी नकदी पर हथ साफ किया गया था।

पति-पत्नी और 13 वर्षीय बेटी ने तोड़ा दम, दूसरी बेटी गंभीर फोरलेन पर रफ्तार का कहर, एक ही परिवार के 3 सदस्यों की मौके पर मौत

बदनावर। दोपहर मेट्रो

लेबड़-नयागांव फोरलेन पर पिटगारा चौराहे के पास आज सुबह तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार परिवार को टक्कर मार दी। हादसे में पति-पत्नी और उनकी 13 वर्षीय बेटी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार ग्राम बड़ा कठोड़िया निवासी राहुल (35) अपनी पत्नी पूजा (30) और बेटीयों सुमन (13) व शिवानी के साथ बाइक से खेरवास स्थित खेत पर लहसुन की बोवनी के लिए जा रहे थे। इसी दौरान पिटगारा चौराहे पर अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में राहुल, पूजा और सुमन ने मौके पर दम तोड़ दिया। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंच गए। आक्रोशित ग्रामीणों ने फोरलेन पर धरना देकर करीब चार घंटे तक चक्काजाम किया। ग्रामीणों ने चौराहे पर लगातार हादसों का हवाला देते हुए



खेत की बोवनी के लिए निकला परिवार, रास्ते में हादसा

ग्राम बड़ा कठोड़िया निवासी राहुल शनिवार सुबह पत्नी पूजा और बेटीयों सुमन व शिवानी के साथ बाइक से खेरवास स्थित खेत की ओर निकले थे। परिवार खेत पर लहसुन की बोवनी करने जा रहा था। पिटगारा चौराहे के पास पहुंचते ही तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर

मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि राहुल, पूजा और 13 वर्षीय सुमन की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरी बेटी शिवानी गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे। घायल बच्ची को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

सुरक्षा इंतजाम बढ़ाने की मांग की। सूचना पर एसडीएम प्रियंका मिमरोट, तहसीलदार सुरेश नागर, एसडीओपी अरविंद सिंह तोमर और टीआई अमित सिंह कुशवाह

पुलिस बल के साथ पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों से चर्चा कर जाम खुलवाने का प्रयास किया। पुलिस अज्ञात वाहन और चालक की तलाश कर रही है।

4 घंटे फोरलेन पर थमा रहा ट्रैफिक



हादसे के बाद ग्रामीणों और परिजनों में आक्रोश फैल गया। बड़ी संख्या में लोगों ने पिटगारा चौराहे पर पहुंचकर लेबड़-नयागांव फोरलेन पर धरना शुरू कर दिया और चक्काजाम कर दिया। ग्रामीणों का आरोप था कि चौराहे पर लगातार सड़क हादसे हो रहे हैं, लेकिन दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए हैं। करीब चार घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। सूचना मिलने पर एसडीएम प्रियंका मिमरोट, तहसीलदार सुरेश नागर, एसडीओपी अरविंद सिंह तोमर और टीआई अमित सिंह कुशवाह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों से चर्चा कर यातायात बहाल कराने का प्रयास किया।

पुलिस की घेराबंदी से घबराए बदमाश किसान से लूटा ट्रैक्टर छोड़कर भागे

किसान को बंधक बनाकर मोबाइल, ट्रैक्टर और कल्टीवेटर लूटा था 7.50 लाख का वाहन बरामद, चार आरोपी अब भी फरार

धार। दोपहर मेट्रो

अमझेरा थाना क्षेत्र में किसान को बंधक बनाकर ट्रैक्टर लूटने के मामले में पुलिस को सफलता मिली है। एसआईटी की लगातार दबिश और संभावित ठिकानों पर घेराबंदी से घबराकर आरोपी लूटा गया ट्रैक्टर छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने हातोद-मिंडा क्षेत्र से करीब 7.50 लाख रुपए कीमत का स्वराज ट्रैक्टर मय कल्टीवेटर बरामद कर लिया है। मामले में शामिल चारों आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश की जा रही है।

पुलिस के अनुसार 28 सितंबर की रात करीब 11 बजे ग्राम बांदिडी निवासी किसान पुष्कर पिता गेणालाल धनगाया अपने खेत में स्वराज 855 ट्रैक्टर से जुताई कर रहा था। इसी दौरान चार अज्ञात बदमाश खेत पर



पहुंचे और किसान को बंधक बनाकर मारपीट की। इसके बाद उसका मोबाइल और ट्रैक्टर लेकर फरार हो गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी सचिन शर्मा के निर्देश पर विशेष एसआईटी गठित की गई। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और गोपनीय सूचना तंत्र के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस की लगातार दबिश और संभावित ठिकानों की घेराबंदी के चलते आरोपी रात में

हातोद-मिंडा क्षेत्र में ट्रैक्टर छोड़कर भाग निकले।

पुलिस ने लावारिस हालत में मिले ट्रैक्टर और कल्टीवेटर को जब्त कर लिया है। अधिकारियों के अनुसार चारों आरोपियों की पहचान हो चुकी है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। कार्रवाई में थाना प्रभारी राजू मकवाना के नेतृत्व में एसआईटी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

न्यायालय के आदेश पर जिला जेल भेजा छात्रा का पीछा, अश्लील टिप्पणियां करने वाला आरोपी गिरफ्तार

धार/पीथमपुर। दोपहर मेट्रो

थाना सेक्टर-1 पुलिस ने छात्रा का पीछा करने और आपत्तिजनक टिप्पणियां करने के आरोप में 24 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान रोहित पटेल पिता बसंत कुमार पटेल के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी पीढ़िता के स्कूल और अन्य स्थानों पर आते-जाते समय उसका पीछा करता था तथा आपत्तिजनक टिप्पणियां करता था।

पीढ़िता की शिकायत पर थाना सेक्टर-1 पीथमपुर में पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारुल बेलापुरकर, नगर पुलिस अधीक्षक पीथमपुर एवं थाना प्रभारी के मार्गदर्शन में पुलिस टीम गठित की



गई। पुलिस टीम ने लगातार प्रयास करते हुए आरोपी रोहित पटेल को 1 अक्टूबर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी मूल रूप से ग्राम महागुवा, पोस्ट बंधा, तहसील तेंदूखेड़ा, जिला नरसिंहपुर का निवासी बताया गया है और वर्तमान में पीथमपुर की छत्रछाया कॉलोनी में रह रहा था। पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जिला जेल धार भेज दिया गया। कार्रवाई में निरीक्षक प्रवीण ठाकरे, उपनिरीक्षक दशरथसिंह मंडलोई और प्रधान आरक्षक अनिल द्विवेदी की भूमिका रही।

उमरिया : कालरी बंद होने की आशंका से बाजार बंद, सड़कों पर उतरे व्यापारी



उमरिया। दोपहर मेट्रो

उमरिया कालरी की चपहा इन्क्लाइन बंद होने की आशंका के विरोध में आज व्यापारियों और नागरिकों ने बाजार बंद कर धरना दिया। प्रदर्शनकारियों ने एसईसीएल प्रबंधन से खदान बंद नहीं करने की मांग की। युवा व्यवसायी सचिन गुप्ता ने बताया कि पूर्व विधायक अजय सिंह के मार्गदर्शन में आंदोलन शुरू किया गया है। व्यापारियों का कहना है कि

कालरी बंद होने से रोजगार और स्थानीय कारोबार प्रभावित होगा। उन्होंने बताया कि आश्वासन के बावजूद कर्मचारियों को दूसरे स्थानों पर भेजने की प्रक्रिया जारी है। वहीं, उपलब्ध जानकारी के अनुसार वर्ष 2023 में उमरिया भूमिगत खदान के माइन क्लोजर एस्कॉ खाते में दो किस्तों में 1.15 करोड़ रुपए से अधिक जमा किए गए हैं, जिससे बंदी की आशंका और बढ़ी है।

स फेद गेंद के दो वर्ल्ड चैंपियन इन दिनों अलग-अलग मैदानों पर अपने दबदबे की ऐसी तस्वीर पेश कर रहे हैं, जिसे देखकर भारतीय क्रिकेट की ताकत का अंदाजाआसानी से लगाया जा सकता है।

बुधवार को गुवाहाटी में वनडे टीम ने बल्ले से रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन किया वहीं गुरुवार को जापान में टी-20 वर्ल्ड चैंपियन टीम ने श्रीलंका के खिलाफ ऐतिहासिक जीत दर्ज कर अपनी श्रेष्ठता का एहसास कराया। अब शनिवार को यही दोनों चैंपियन फिर मैदान पर उतरेंगे और नजरें होंगी एक और बड़े धमाकेदार खेल



आलोक गोस्वामी खेल विश्लेषक

क्रिकेट का स्पेशल सैटरडे

पर।एक तरफ वनडे टीम के सामने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज का आखिरी मुकाबला होगा, जहां सबसे बड़ा सवाल यह रहेगा कि क्या भारतीय बल्लेबाज 50 ओवर पूरे खेलकर स्कोरबोर्ड पर 500 रन का आंकड़ा छू सकते हैं।गौरतलब है कि वनडे इंटरनेशनल में सबसे बड़े स्कोर498 रनों का रिकॉर्ड व टॉप 3 स्कोर अभी इंग्लैंड के नाम दर्ज है,जबकि टीम इंडिया का सबसे बड़ा स्कोर इस फॉर्मेट में 418 रनों का है जो उसने 15 साल पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ ही इंदौर में बनाया था।दूसरी तरफ एशियन गेम्स के फाइनल में भारत-पाकिस्तान की बहुप्रतीक्षित गोल्डन भिड़ंत होगी। यानी यह शनिवार क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक नहीं, बल्कि डबल धमाका लेकर आ रहा है। वैसे

क्रिकेट को अनिश्चितताओं का खेल कहा जाता है,लेकिन सफेद गेंद के दोनों फॉर्मेट में टीम इंडिया जिस निरंतरता के साथ खेल रही है,उसने विपक्षी टीमों के सामने चुनौती जरूर बढ़ा दी है।खासकर एशियाई उपमहाद्वीप में टीम इंडिया को उसके घरेलू माहौल में चुनौती देना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं रहा है। यही वजह है कि शनिवार को मुकाबला चाहे जापान में हो या चंडीगढ़ में,चर्चा के केंद्र में टीम इंडिया का प्रदर्शन ही रहने वाला है।दिन की पहली बड़ी भिड़ंत टीम इंडिया और पाकिस्तान के बीच एशियन गेम्स के फाइनल में होगी। दोनों टीमों के आमने-सामने आते ही तथाकथित महामुकाबले का रोमांच मैदान से बाहर भी पहुंच जाता है।भले ही ज्यादातर मौकों पर भिड़ंत एकरतफा रही

हो, लेकिन इस प्रतिद्वंद्विता से जुड़ी चर्चाएं हमेशा सुर्खियां बटोरती हैं। हाल के मुकाबलों में 'खेल से इतर 'नो हैंडशेक' व ट्रॉफी बिना विजेता जैसे प्रसंग भी चर्चा का विषय रहे हैं। ऐसे में एक बार फिर दोनों टीमों आमने-सामने होंगी तो क्रिकेट के साथ-साथ मैदान के बाहर की गतिविधियों पर भी सबकी निगाहें रहेंगी। हालांकि पाकिस्तान के लिए इस फाइनल में दबाव की तस्वीर भारत से अलग होगी। उसके सामने स्वर्ण पदक हासिल करने का मौका है, जबकि भारत की नजर अपने हालिया प्रदर्शन को खिताबी सफलता में बदलने पर होगी। फाइनल में एक खराब दिन पूरे अभियान का समीकरण बदल सकता है, इसलिए दोनों टीमों के लिए यह मुकाबला

बेहद अहम रहेगा।वहीं इसके बाद चंडीगढ़ में टीम इंडिया और वेस्टइंडीज के बीच वनडे सीरीज का आखिरी मुकाबला होगा। यहां सबसे बड़ा आकर्षण भारतीय बल्लेबाजी की संभावित स्कोर रहेगा। यदि भारतीय बल्लेबाज पूरे 50 ओवर तक ब्रोज पर टिकते हैं तो क्या वह इस फॉर्मेट के अपने सबसे बड़े आंकड़े के पार जाएंगा? मौजूदा फॉर्म को देखते हुए यह सवाल केवल कल्पना नहीं, बल्कि क्रिकेट प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बन सकता है। भले ही वनडे क्रिकेट में 500 रन का आंकड़ा अब भी असाधारण ही माना जाता है,लेकिन टीम इंडिया के बल्लेबाज जिस अंदाज में खेल रहे हैं,उसने इस संभावना को चर्चा में ला दिया है।मेरे नजरिये में इसी वजह से शनिवार की

खासियत सिर्फ दो मुकाबलों का होना नहीं है, बल्कि यह भी है कि भारतीय क्रिकेट के दो अलग-अलग रूप एक ही दिन अपनी ताकत दिखाएंगे। टी-20 में आक्रामकता और वनडे में निरंतरता दोनों की अपनी अलग मांग है।अगर दोनों टीमों अपने-अपने मुकाबलों में अपराजित चैंपियन के रूप में सामने आती हैं, तो यह बहस भी तेज होगी कि अलग-अलग फॉर्मेट की जरूरत के मुताबिक टीम चयन और खिलाड़ियों की भूमिकाओं को स्पष्ट रखना कितना जरूरी है।कुल मिलाकर शनिवार का दिन क्रिकेट के लिहाज से बेहद खास रहने वाला है।ऐसा भी हो सकता है कि दोनों मुकाबलों में रोमांच आखिरी गेंद तक न पहुंचे, लेकिन भारतीय क्रिकेट के मौजूदा दबदबा, रिकॉर्ड की संभावनाओं और भारत-पाक प्रतिद्वंद्विता के कारण क्रिकेट प्रेमियों की नजरें पूरे दिन मैदान पर टिकी रहेंगी।यही तो है क्रिकेट का अपना 'स्पेशल सैटरडे'।



17 साल की कुमकुम मोहोड ने रचा नया इतिहास

रिकर्व में गोल्ड जीतने वाली बनीं पहली भारतीय महिला

नई दिल्ली, एजेंसी

नागोया में चल रहे एशियन गेम्स 2026 में भारत की युवा तीरंदाज कुमकुम अनिल मोहोड ने इतिहास रच दिया है। महज 17 साल की उम्र में कुमकुम ने महिलाओं की व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वह एशियन गेम्स के इस इवेंट में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला तीरंदाज बन गई हैं।

गोल्ड मेडल के मुकाबले में कुमकुम का सामना दक्षिण कोरिया की ओह येजिन से हुआ। दोनों खिलाड़ियों के बीच काटे की टक्कर देखने को मिली और निर्धारित मुकाबला 5-5 की बराबरी पर खत्म हुआ। इसके बाद विजेता का फैसला शूटआउट से हुआ। शूटआउट में कुमकुम ने जबर्दस्त धैर्य दिखाते हुए 10 अंक का निशाना लगाया, जबकि ओह येजिन 8 अंक ही हासिल कर सकीं। इस तरह कुमकुम ने शूटआउट में 10-8 से जीत दर्ज करते हुए कुल मुकाबला 6-5 से अपने नाम कर लिया।

फाइनल में आखिरी पल तक जारी रही जंग

कुमकुम और ओह येजिन के बीच फाइनल के सेट बेहद करीबी रहे। मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे को कड़ी चुनौती दी। फाइनल के सेट स्कोर 27-29, 29-29, 30-29, 27-28 और 30-28 रहे। इसके बाद शूटआउट में कुमकुम ने सटीक निशाना लगाकर भारत के लिए ऐतिहासिक स्वर्ण पक्का कर दिया। गोल्ड मेडल मुकाबले से पहले कुमकुम ने सेमीफाइनल में चीन की जिंगयी झू को 6-2 से मात दी थी। उन्होंने 28-27, 30-30, 29-29 और

29-28 के स्कोर के साथ फाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में कुमकुम ने शुरुआत से ही शानदार निशाने लगाए। पहले सेट में उन्होंने 9, 10 और 9 अंक हासिल किए। दूसरे और तीसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच बराबरी रही। इसके बाद आखिरी सेट में कुमकुम ने बढ़त बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इससे पहले काउंटर फाइनल में भी उन्होंने बड़ा उलटफेर करते हुए मौजूदा विश्व चैंपियन कांग चायोंग को 6-4 से हराया था।

शूटआउट में दक्षिण कोरिया की ओह येजिन को दी मात

मनीषा की हार, अब रेपेचेज पर नजर

रेसलिंग में भारत की मनीषा को महिलाओं की 57 किग्रा फ्रीस्टाइल के क्वार्टर फाइनल में जापान की अकारा फुजिनामी के खिलाफ 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, मनीषा के लिए प्रतियोगिता अभी खत्म नहीं हुई है। अगर फुजिनामी फाइनल में पहुंचती है, तो मनीषा को रेपेचेज के जरिए कांस्य पदक की दौड़ में वापसी का मौका मिल सकता है। फुजिनामी का सीनियर करियर रिकॉर्ड भी बेहद प्रभावशाली बताया जा रहा है। वह अब तक 154 मुकाबले जीत चुकी हैं और उन्हें अब तक हार का सामना नहीं करना पड़ा है।



नई दिल्ली। भारतीय स्पिनर युलवेंद चहल ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया है। चहल ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिये प्रथम श्रेणी क्रिकेट को अलविदा कहने की घोषणा की। हालांकि, उन्होंने भारत के लिए खेलने की इच्छा जाहिर की है। चहल पिछले कुछ समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं, लेकिन उन्होंने राष्ट्रीय टीम में वापसी की उम्मीद नहीं छोड़ी है।

भारत की जीत के असली हीरो तो शोर्ड मारिन हैं!

बिखरी महिला हॉकी टीम को 9 महीने में बना दिया एशियन गेम्स में चैंपियन



नेशनस कप से वर्ल्ड कप तक दिखा बदलाव

भारतीय टीम ने एफआईएच नेशनस कप जीतकर प्रो लीग में वापसी की। इसके बाद वर्ल्ड कप में भी टीम ने शानदार प्रदर्शन किया और पांचवें स्थान पर रही। यह 52 साल में भारतीय महिला हॉकी टीम का वर्ल्ड कप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। इस अभियान की खास बात यह रही कि टीम की 11 खिलाड़ियों ने पहली बार वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया।। पूरे टूर्नामेंट में भारत को केवल एक हार मिली, जो बाद में चैंपियन बनी नीदरलैंड्स के खिलाफ थी।

दिया। उनकी कोचिंग शैली में खिलाड़ियों को मैदान पर परिस्थितियों के मुताबिक खुद फैसले लेने की आजादी मिली। वे लगातार निर्देश देने के बजाय खिलाड़ियों को अपनी समझ और क्षमता के अनुसार खेलने के लिए प्रोत्साहित करते रहे।

इंस्टाग्राम पर शेयर किया पोस्ट चहल ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट से किया संन्यास का एलान

चहल ने लिखा, मैंने जो पहली क्रिकेट बॉल पकड़ी थी, वह लाल रंग की थी। मैं 10 साल का था और मुझे तब अंदाजा भी नहीं था कि मुझे इस खेल से कितना राश्ता लगाव हो जाएगा। मेरे लिए रेड-बॉल क्रिकेट कभी भी

सिर्फ एक और प्रारूप नहीं था। इसी फार्मेट में मैंने सब्र, मुश्किलों का सामना करने की हिम्मत और घंटों तक मैदान पर डटे रहकर हर रन और हर विकेट के लिए संघर्ष करने की असली खुशी को समझा।

भारत के लिए कभी नहीं खेला टेस्ट

लेग-स्पिनर चहल को भारत के लिए टेस्ट खेलने का कभी मौका नहीं मिला। उन्होंने लॉर्डस क्रिकेट ग्राउंड पर नॉर्थम्पटनशायर के लिए रेड बॉल प्रारूप में अपना आखिरी मैच खेला। चहल ने अपने करियर में 49 प्रथम श्रेणी मैच खेले, जिसमें उन्होंने 32.27 की औसत से 148 विकेट लिए। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6/25 रहा। हाल ही में उन्होंने नॉर्थम्पटनशायर के लिए काउंटी क्रिकेट खेला और लॉर्डस में मिडलसेक्स के खिलाफ अपने आखिरी मैच में दो विकेट लिए। 2026-27 सीजन में 36 वर्षीय खिलाड़ी ने काउंटी चैंपियनशिप में पांच मैच खेले और 21 विकेट लिए।



आरबीआई एमपीसी बैठक में रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत की कर सकता है बढ़ोतरी : रिपोर्ट में दावा

मेट्रो बाजार

नई दिल्ली । मौजूदा समय में जोखिमों का संतुलन भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा 25 आधार अंक (0.25 प्रतिशत) की ब्याज दर बढ़ोतरी के पक्ष में निर्णायक रूप से झुक गया है। इसकी वजह महंगाई का दबाव बढ़ना, वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों का बिगड़ना, तरलता की बदलती स्थिति और वैश्विक स्तर पर जोखिमों के नए सिरों से उभरना है। यह जानकारी भारतीय स्टेट बैंक

(एसबीआई) की एक रिपोर्ट में दी गई। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक 5 से 7 अक्टूबर तक होनी है, जिसमें बेंचमार्क रेपो रेट पर फैसला किया जाएगा। एसबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों से जुड़े जोखिम और वैश्विक स्तर पर जोखिमों के पुनर्मूल्यांकन को देखते हुए, ःहमारे लिए बेहतर होगा कि हम स्थिति से पीछे रहने के बजाय पहले से ही एहतियाती कदम उठाएं।ः

रिपोर्ट में कहा गया, ःहमें यह भी उम्मीद है कि आरबीआई वित्त वर्ष 2026-27 के लिए जीडीपी वृद्धि के अनुमान में 30 आधार अंक और महंगाई के अनुमान में 20 आधार अंक की बढ़ोतरी करेगा।ः महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। अगरस्त में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई जुलाई के 4.45 प्रतिशत से बढ़कर 4.82 प्रतिशत हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय रुपया लगातार गिरावट के दौर में है।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

गोविंदा-कोमल रानी: डेटिंग रूमर्स के बीच चीची संग रोमांटिक अंदाज में दिखीं एक्ट्रेस

अभिनेता गोविंदा और कोमल रानी स्वर्णकार आगामी फिल्म रूपा में साथ नजर आएंगे। फिल्म से इतर दोनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी लगातार चर्चा में हैं। एक-दूसरे के साथ इनका नाम जोड़ा जा रहा है और डेटिंग की रूमर्स चल रही हैं। इस बीच इनकी आगामी फिल्म का पोस्टर सामने आया है। दोनों रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं।



पोस्टर जारी किया गया है। कोमल रानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से फिल्म की झलक शेयर की है। इसमें गोविंदा और कोमल एक-दुजे की बांहों में खोए नजर आ रहे हैं। पोस्टर के साथ कोमल ने कैप्शन लिखा है, रूपा। इस फिल्म को लिखा गोविंदा ने है, साथ ही निर्देशन की कमान भी उन्होंने ही संभाली है। लीड रोल में वे और कोमल हैं।

कोमल बोलीं- लव माय लाइफ- इसके अलावा कोमल रानी ने एक और फोटो भी साझा की है। इसमें वे और गोविंदा रोमांटिक लुक में दिख रहे हैं। इसके साथ कोमल ने कैप्शन लिखा है, लव माय लाइफ। कोमल रानी साड़ी पहने दिख रही हैं। वहीं, गोविंदा व्हाइट ब्लेजर और ब्लैक जींस में नजर आ रहे हैं। दोनों की यह तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है।

क्या बोले नेटिजंस?

कोमल रानी के हालिया पोस्टर पर नेटिजंस के कमेंट आ रहे हैं। कुछ उन्हें नई फिल्म के लिए बधाई दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है, इस फिल्म का इंतजार है। एक अन्य यूजर ने लिखा है, अंदाजा नहीं है कि गोविंदा की फिल्म का बजट इतना कम होगा कि पोस्टर चैट जीटीपी से बनवाना पड़ेगा। वहीं, एक यूजर ने लिखा है, लगता है कि अब आपने भी सोच लिया है कि खुश्रूम खुल्ला प्यार करेंगे हम दोनों। बता दें कि इस फिल्म की रिलीज को लेकर अभी जानकारी सामने नहीं आई है।

बिहार के मखाना को मिला अंतरराष्ट्रीय बाजार, ग्रीस के लिए 1 मीट्रिक टन खेप रवाना

नई दिल्ली । एपीडा कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडीए) की सहायता से बिहार के पूर्णिया से 1 मीट्रिक टन (एमटी) पॉड मखाना की खेप ग्रीस के लिए रवाना की गई है। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि यह कदम बिहार के मखाना उत्पादकों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने और उनके लिए बेहतर आय के अवसर पैदा करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, यह खेप इंडो ग्लोबल एक्सपोर्ट, बेतौरी (पूर्णिया) द्वारा सौंपित की गई है और इसका निर्यात एस. एस. फूड्स एक्सपोर्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से किया जा रहा है। यह खेप मुंद्रा बंदरगाह से ग्रीस के पिराएुस पोर्ट तक भेजी जाएगी। सरकार ने बताया कि इस निर्यात से मखाना उत्पादकों को घरेलू बाजार की तुलना में बेहतर मूल्य प्राप्त हुआ है।

इससे यह संकेत मिलता है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार बिहार के मखाना उत्पादकों के लिए अतिरिक्त आय और मूल्यवर्धन के महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर सकते हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा मखाना उत्पादक देश है और देश के कुल उत्पादन में बिहार की हिस्सेदारी लगभग 80-85 प्रतिशत है। राज्य के 10 जिलों में 35,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में मखाना की खेती की जाती है, जिससे यह क्षेत्र हजारों किसानों की आजीविका का महत्वपूर्ण आधार बना हुआ है।

बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत ने 7,000 मीट्रिक टन से अधिक मखाना और मूल्यवर्धित मखाना उत्पादों का निर्यात किया, जिसकी कुल कीमत लगभग 2.2 करोड़ डॉलर (22 मिलियन डॉलर) रही। यह निर्यात 20 से अधिक देशों तक पहुंचा।

मुंबई। फिल्म निर्माता साजिद नाडियाडवाला की भांजी आफिया सैयद ने कॉमेडी-ड्रामा-रोमांस फिल्म 'प्रेम कीटाणु' के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा है। फिल्म की स्क्रीनिंग के बाद अभिनेत्री रवीना टंडन ने आफिया के अभिनय और उनकी मेहनत की जमकर तारीफ की। रवीना ने सोशल मीडिया पर आफिया के साथ तस्वीरें साझा करते हुए उन्हें फ्लैमी सफर के लिए शुभकामनाएं दीं।

‘प्रेम कीटाणु’ की स्क्रीनिंग गुरुवार रात आयोजित की गई, जिसमें फिल्म और मनोरंजन जगत से जुड़े कई सितारे शामिल हुए। स्क्रीनिंग के बाद रवीना टंडन ने आफिया सैयद के साथ तस्वीरें पोस्ट कीं और उन्हें बधाई दी। रवीना ने बताया कि उन्होंने फिल्म के

साजिद नाडियाडवाला की भांजी का बॉलीवुड डेब्यू, रवीना टंडन ने की तारीफ

लिए आफिया की मेहनत और लगन को करीब से देखा है। उनके मुताबिक, सफर के दौरान कई मुश्किलें आईं, लेकिन आफिया ने अपना फोकस बनाए रखा और अपने लक्ष्य से पीछे नहीं हटीं। रवीना टंडन ने आफिया के बड़े पद पर डेब्यू को लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि आफिया को स्क्रीन पर देखकर उन्हें बेहद गर्व महसूस हुआ।



वह फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने के लिए आई है। उन्होंने अभिनेत्री के आगे के सफर के लिए सफलता और खुशियों की कामना भी की। रवीना टंडन ने सिर्फ आफिया ही नहीं, बल्कि फिल्म की पूरी टीम के काम की सराहना की। उन्होंने वीर पहाड़िया के अभिनय की तारीफ की और अपारशक्ति खुराना को शानदार कलाकार बताया। इसके अलावा उन्होंने निक्की, गौरव और अपूर्वा को भी बधाई दी।

बुला रहीं वादियां, रुला रहा जाम: कैंची धाम से लेकर मसूरी-ऋषिकेश में उमड़े सैलानी



उत्तराखंड। वीकेंड पर उत्तराखंड में पर्यटकों का सैलाब उमड़ पड़ा। भीड़ और जाम के आगे पुलिस-प्रशासन की व्यवस्थाएं नाकाफी साबित हुईं। उत्तराखंड में अब बाशिंश थमने के बाद से मौसम सुहाना बना हुआ है। ऐसे में वीकेंड पर यहां बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचे। जिससे कुमाऊं और गढ़वाल के पर्यटक स्थलों पर जगह-जगह जाम लग गया। पुलिस की ट्रैफिक भी कम पड़ रही है। सुबह से ही शहर के प्रमुख मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं, जिससे स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटकों को भी भारी परेशानी का सामना

करना पड़ा। वीकेंड पर पर्यटकों की भारी आमद ने पहाड़ों की रानी मसूरी की यातायात व्यवस्था को पूरी तरह पटरी से उतार दिया। शुक्रवार से ही शहर के प्रमुख मार्गों पर वाहनों का दबाव बढ़ने के बाद शनिवार को हालात और बिगड़ गए। माल रोड के भगत सिंह चौक, लाइब्रेरी चौक और किंग्रेम समेत कई स्थानों पर घंटों जाम लगा रहा। जाम में एंबुलेंस के साथ कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी भी फंसे रहे। सबसे गंभीर स्थिति भगत सिंह चौक के पास देखने को मिली, जहां जाम में एंबुलेंस फंस गई।



ऋषिकेश में जाम से घंटों में पूरा हुआ मिनटों का सफर।



कैंची धाम में वीकेंड पर घंटों जाम देखा गया।



ज्योतिर्मठ में सात किमी लंबा जाम : चारधाम यात्रा बढ़ने के साथ ही ज्योतिर्मठ क्षेत्र में यातायात व्यवस्था भी चरमरा गई है। ज्योतिर्मठ से विष्णुप्रयाग तक वाहन सुबह से जाम में फंसते रहे। अपराह्न लगे जाम से करीब सात किमी तक वाहनों की कतार लगी रही। बदरीनाथ धाम में यात्रियों की संख्या में काफी इजाफा हो रहा है। साथ ही हेमकुंड साहिब की यात्रा भी अंतिम चरण में है, इसके चलते दोनों जगह यात्रियों की संख्या काफी बढ़ गई है।

न्यूज विडो

गोलियों से देहला बेगूसराय, सड़क पर पड़ा मिला वॉशिंग सेंटर संचालक

बेगूसराय। बेगूसराय के फुलवरिया थाना क्षेत्र में कार्बन फैक्ट्री चौक के पास वॉशिंग सेंटर संचालक गणेश कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह दुकान बंद कर बाइक से घर लौट रहे थे, तभी बदमाशों ने फायरिंग कर दी। गणेश के सीने और पेट में गोली लगने की बात सामने आई है। फुलवरिया थाना क्षेत्र में कार्बन फैक्ट्री चौक के पास शुक्रवार शाम बदमाशों ने वॉशिंग सेंटर संचालक गणेश कुमार (26) की गोली मारकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। गोली लगने के बाद गणेश सड़क पर गिर पड़े। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। गणेश कार्बन फैक्ट्री के पास वॉशिंग सेंटर चलाते थे और इसी काम से परिवार का भरण-पोषण करते थे।

जयपुर: प्रॉपर्टी-क्रिप्टो में निवेश के नाम पर करोड़ों की ठगी, दो आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर में प्रॉपर्टी और क्रिप्टो करेंसी में निवेश के नाम पर करीब 100 करोड़ रुपये की ठगी के मामले में सोडाला थाना पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ठगी की रकम से खरीदी गई करीब 1.25 करोड़ रुपये कीमत की मर्सिडीज कार और महंगी बाइक जब्त की है। जयपुर के प्रॉपर्टी और क्रिप्टो करेंसी में निवेश के नाम पर करीब 100 करोड़ रुपये की ठगी करने वाले गिरोह के दो आरोपियों को सोडाला थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ठगी की रकम से खरीदी गई करीब 1.25 करोड़ रुपये कीमत की मर्सिडीज कार और महंगी बाइक जब्त की है।

मनाली से पठानकोट जा रही बस बाशिंश में पलटी, छह यात्री घायल

कुल्लू। हिमाचल के कुल्लू में हादसा हुआ है। मनाली से पठानकोट जा रही बस बाशिंश में पलट गई। हादसे में छह लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मनाली से पठानकोट जा रही एचआरटीसी की बस शनिवार सुबह कुल्लू के बाशिंश में सड़क पर पलट गई। बस में चालक-परिचालक समेत छह लोग सवार थे, जिनमें चालक सहित पांच लोगों को चोटें आई हैं, जबकि परिचालक को हल्की चोट आई है।

छत्तीसगढ़ में पुलिस में नौकरी लगाने के नाम पर 11.30 लाख की ठगी

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में पुलिस विभाग में नौकरी लगाने के नाम पर 11.30 लाख रुपये की धोखाधड़ी के मामले में फरार चल रहे आरोपी अमन यादव को पुलिस ने आज गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस मामले के दो आरोपी उत्तरा सिद्धार और संजू यादव को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। मामला चक्रधरनगर थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, 25 अक्टूबर 2025 को अलेन किड़ो ने चक्रधरनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उसके भतीजे राहुल किड़ो को छत्तीसगढ़ पुलिस में कांस्टेबल पद पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर आरोपियों ने 11 लाख 30 हजार रुपये की ठगी की घटना को अंजाम दिया है।

अमेरिका के वडतालधाम मंदिर की खिड़कियां टूटीं, जांच शुरू

ओहायो के श्री स्वामीनारायण हिंदू मंदिर पर ईंटों से हमला

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के ओहायो में श्री स्वामीनारायण हिंदू मंदिर वडतालधाम पर ईंटों से हमला हुआ, जिससे खिड़कियां टूट गईं। घटना के वक्त पुजारी और श्रद्धालु अंदर थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अमेरिका के ओहायो में एक हिंदू मंदिर को निशाना बनाकर ईंटों से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। श्री स्वामीनारायण वडताल धाम हिंदू मंदिर, रिचमंड हाइट्स में शुक्रवार दोपहर करीब 1:30 बजे यह घटना हुई। हमलावरों ने मंदिर की इमारत पर ईंटें फेंकीं, जिससे काफी नुकसान हुआ। अमेरिकी गैर-लाभकारी संगठन हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए घटना की जानकारी दी। संगठन के अनुसार, घटना के वक्त मंदिर को निशाना बनाया गया और ईंटें फेंके जाने से संरचना को काफी नुकसान पहुंचा। एचएएफ ने बताया कि यह अपमानजनक हमला है।



क्या धार्मिक नफरत से जुड़ा है मामला?

एचएएफ ने घटना को संभावित हेट क्राइम बताया है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी के आधार पर अभी यह स्थापित नहीं हुआ है कि हमले के पीछे धार्मिक मकसद ही था। किसी संदिग्ध का नाम भी सामने नहीं आया है और गिरफ्तारी की आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। संगठन ने अमेरिकी निर्वाचित प्रतिनिधियों और सरकारी एजेंसियों से भारतीय और हिंदू-अमेरिकी समुदायों के खिलाफ कथित नफरत भरी बयानबाजी की सार्वजनिक रूप से निंदा करने की भी अपील की है।

पंजाब: रजवाहे में मिला छह साल के बच्चे का शव, लोहे की तार से बंधे थे हाथ-पांव

फरीदकोट, एजेंसी

थाना सदर के गांव टहिणा के पास रजवाहे में करीब छह वर्षीय अज्ञात बच्चे का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। बच्चे के हाथ-पैर बारीक लोहे की तार से बंधे हुए थे, जिसके चलते पुलिस ने हत्या की आशंका जताते हुए अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुल के पास फंसा था बच्चे का शव

जानकारी के मुताबिक, गांव के चौकीदार जगसीर सिंह ने रजवाहे के पुल के पास बच्चे का शव फंसा देख थाना सदर पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सहारा सोसायटी के कार्यकर्ताओं की मदद से शव को बाहर निकलवाया। पुलिस के मुताबिक बच्चे ने खाकी रंग की टी-शर्ट, काले रंग की हाफ पैंट और पैरों में सैंडल पहन रखे थे। बच्चे के हाथ-पैर तार से बंधे मिले। प्रारंभिक जांच में आशंका है कि बच्चे की हत्या के बाद शव को रजवाहे में फेंका गया। पुलिस ने शव को पहचान के लिए गुरु गोबिंद सिंह मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है।

यमुनोत्री यात्रा पर आए दो श्रद्धालुओं की बिगड़ी तबीयत, दोनों की मौत

उत्तरकाशी। यमुनोत्री धाम की यात्रा पर आए दो श्रद्धालुओं की अलग-अलग स्थानों पर तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। इनमें एक तीर्थयात्री की जानकीचट्टी के पास और महिला तीर्थयात्री की बड़कोट में उपचार के दौरान मौत हुई। जानकारी के अनुसार, कर्नाटक निवासी गंधारवा बीशेठी (66) यमुनोत्री धाम की यात्रा पर जा रहे थे। यात्रा मार्ग में अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें उपचार के लिए जानकीचट्टी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

दिल्ली: जितिया स्नान पर यमुना में डूबकर दो युवतियों की मौत, गोताखोरों ने गहरे पानी से निकाले दोनों के शव

दिल्ली, एजेंसी

जितिया पर्व पर यमुना में स्नान करने पहुंची दो युवतियों की डूबने से मौत हो गई। हादसा वजीराबाद यमुना पुल के पास सूर घाट पर हुआ। दोनों परिवार के साथ पर्व मनाने पहुंची थीं। स्नान के दौरान दोनों अचानक गहरे पानी में चली गईं। शोर सुनकर मौके पर मौजूद गोताखोरों ने तलाश शुरू की और कुछ देर बाद दोनों के शव पानी से बाहर निकाले। मृतकों की पहचान जखीरा निवासी काजल कुमारी (18) और पिंकी कुमारी (18) के रूप में हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही तिमारपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

स्नान करते समय काजल और पिंकी गहरे पानी में गईं

उत्तर जिला पुलिस उपायुक्त नीहारिका भट्ट ने बताया कि जितिया पर्व के मौके पर दोनों परिवार के साथ यमुना में स्नान करने सूर घाट पहुंची थीं। स्नान के दौरान दोनों गहरे पानी की तरफ चली गईं। उन्होंने बाहर निकलने की कोशिश की, लेकिन पानी अधिक गहरा होने के कारण डूब गईं। उधर, परिजनों का आरोप है कि घाट पर गहरे पानी वाले हिस्से की सही तरीके से बैरिकेडिंग नहीं की गई थी। साथ ही पर्याप्त चेतावनी बोर्ड और सुरक्षा कर्मियों की मौजूदगी भी नहीं थी।

मेट्रो एंकर

राम मंदिर के सीईओ के काम संभालने के बाद मंदिर और प्रशासनिक कार्यों में हुए बड़े बदलाव

सेना जैसा अनुशासन: कर्मियों की बनेगी डिजिटल कुंडली

अयोध्या, एजेंसी

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के बाद सेना जैसी कार्यप्रणाली लागू करने की योजना तैयार की जा रही है। अब मंदिर के कर्मचारियों की डिजिटल कुंडली बनेगी। नई व्यवस्था में केवल उपस्थिति दर्ज करना ही उद्देश्य नहीं है। कर्मचारियों की ड्यूटी और तैनाती की भी निगरानी की जाएगी। सॉफ्टवेयर से कर्मचारियों की ट्रैकिंग होगी। इसके साथ ही राम मंदिर परिसर में कर्मियों की गतिविधियों पर अब निगरानी बढ़ाई जाएगी। सीईओ एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) जितेंद्र मिश्र ने मंदिर की आंतरिक व्यवस्था को अधिक अनुशासित और जवाबदेह बनाने के लिए सेना जैसी कार्यप्रणाली लागू करने की योजना तैयार की है।

इसके तहत मंदिर ट्रस्ट के कर्मियों का पूरा डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करेगा। साथ ही उनकी गतिविधियों की सॉफ्टवेयर के जरिये निगरानी की जाएगी। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना के बाद कर्मचारियों की निगरानी और

आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को लेकर ट्रस्ट ने सख्ती बढ़ाई है। नए सीईओ के स्तर से व्यवस्था में तकनीक का इस्तेमाल बढ़ाने के साथ ही कर्मचारियों की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय करने पर जोर दिया जा रहा है। नई व्यवस्था में प्रत्येक कर्मचारी का डिजिटल प्रोफाइल यानी डिजिटल कुंडली तैयार करने की योजना है। इसमें कर्मचारी की नियुक्ति, पद, ड्यूटी, तैनाती, उपस्थिति, जिम्मेदारी समेत उससे संबंधित जरूरी विवरण दर्ज किए जाएंगे। इससे जरूरत पड़ने पर किसी कर्मचारी की तैनाती और उसके काम का पूरा ब्योरा तत्काल सामने आ सकेगा। ट्रस्ट के स्तर पर ऐसा सॉफ्टवेयर विकसित कराया जा रहा है, जिसमें कर्मचारियों का पूरा डाटा सुरक्षित रहेगा। कर्मचारी किस स्थान पर तैनात है, उसकी ड्यूटी क्या है और उसे कौन सी जिम्मेदारी सौंपी गई है, इसकी जानकारी डिजिटल सिस्टम में उपलब्ध रहेगी। इससे मैनुअल रिकॉर्ड पर निर्भरता कम होगी और जिम्मेदारी तय करना आसान होगा।



मंदिर परिसर में करीब 450 प्राइवेट सुरक्षा कर्मी रहेंगे तैनात

सभी स्टाफ का पुलिस वेरिफिकेशन, कैरेक्टर सर्टिफिकेट अनिवार्य। अब रिश्तेदारों और परिवार का भी ब्योरा देना होगा। बिना वेरिफिकेशन कोई भी कर्मचारी मंदिर सेवा में नहीं रहेगा। हर विभाग के लिए अलग एसओपी तय। मंदिर परिसर में निगरानी बढ़ाने के लिए करीब 40 नए स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की तैयारी। मंदिर परिसर के करीब 450 प्राइवेट सुरक्षा कर्मियों

के ड्यूटी के दौरान मोबाइल प्रयोग पर रोक। फेस रीडिंग से हाजिरी होगी। यहां सभी कर्मचारियों के लिए बिना जेब वाली ड्रेस कोड भी निर्धारित किए जा रहे हैं। जिसके तहत एसबीआई स्टाफ आसमानी शर्ट-काली पैंट, एजेंसी स्टाफ भगवा शर्ट-काली पैंट, ट्रस्ट स्टाफ सफेद शर्ट-काली पैंट, पुजारी/भंडारी/कोठारी के लिए पीतांबरी रेशमी धोती हो सकती है।

कर्मचारियों की ड्यूटी के दौरान गतिविधियों पर भी नजर

नई व्यवस्था में केवल उपस्थिति दर्ज करना ही उद्देश्य नहीं है। कर्मचारियों की ड्यूटी और तैनाती की भी निगरानी की जाएगी। संबंधित अधिकारियों को यह पता चल सकेगा कि कर्मचारी निर्धारित स्थान और जिम्मेदारी के अनुरूप काम कर रहा है या नहीं। मंदिर परिसर जैसे संवेदनशील क्षेत्र में सुरक्षा और गोपनीयता को देखते हुए तकनीकी निगरानी को अहम माना जा रहा है। नई व्यवस्था के तहत कर्मचारियों के मोबाइल की भी समय-समय पर जांच की योजना है।